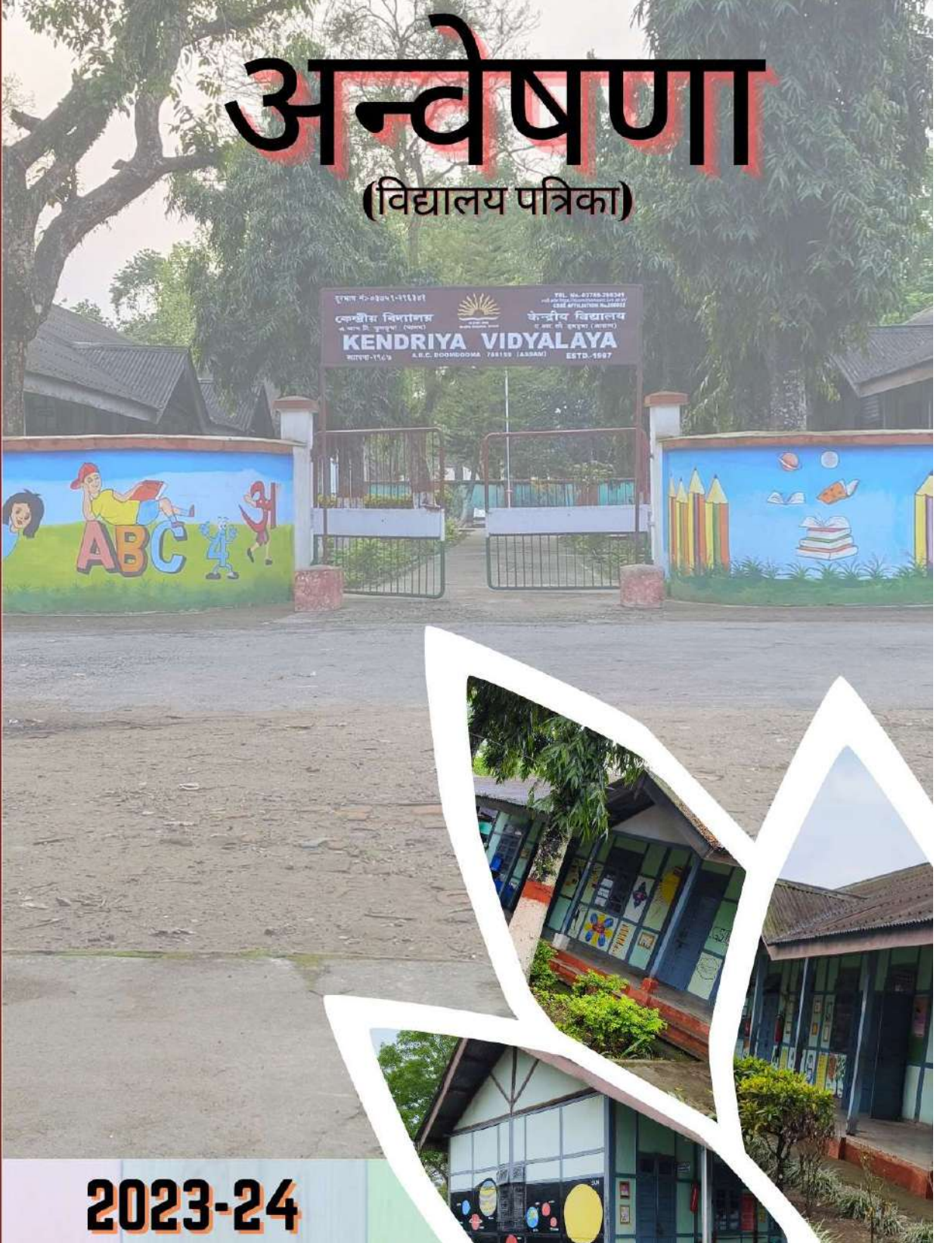




तत् त्वं पूषन् अपावृणु  
केंद्रीय विद्यालय संघात्

# केंद्रीय विद्यालय ए आर सी दुमदुमा KENDRIYA VIDYALAYA ARC DOOMDOOMA

## अन्वेषणा (विद्यालय पत्रिका)



2023-24

# Our Inspirations



**Ms. Nidhi Pandey,  
Commissioner  
KVS Head Quarters, New Delhi**



**Shri Chandrashekhar Azad  
Deputy Commissioner  
KVS Regional Office, Guwahati**



**Shri Ram Kumar Panigrahi  
Assistant Commissioner  
KVS Regional Office, Guwahati**



**Shri Naresh Kumar  
Assistant Commissioner  
KVS Regional Office, Guwahati**



**Shri Ashok Kumar Bhukal  
Principal**

## EDITORIAL BOARD

<b>Chief Editor</b>	<b>:</b>	<b>Ms. Preeti Chauhan PGT (Hindi)</b>
<b>Hindi Section</b>	<b>:</b>	<b>Ms. Preeti Chauhan PGT (Hindi)</b>
<b>English Section</b>	<b>:</b>	<b>Mrs. Ritu Yadav PGT (English)</b>
<b>Sanskrit Section</b>	<b>:</b>	<b>Ms. Kiran Debnath TGT(Sanskrit)</b>

**Designed & Photography  
Mr. Vijayaraghavan PGT(CS)**

## CHAIRMAN'S MESSAGE....



Sh D J Sagayaraj  
Chairman, VMC, KV Doom Dooma

### **Message**

Dear Students,

*“A simple but powerful reminder of the positive domino effect a good education can have on many aspects of a person’s life and outlook”.*

*It’s always a privilege to appreciate young minds who are being nurtured towards becoming honest citizens to their Nation. As I am always sharing this to all the students, Education is the only tool through which one can lead a successful life. The purpose of education is to turn mirrors into windows. Although it’s easy to look in on what’s happening inside our own bubble, gaining an education helps to shift our perspectives to what’s happening beyond. With a window to the world, we’re in a better position to see and solve the problems around us.*

*I am happy to know that Kendriya Vidyalaya Doom Dooma, is publishing annual school e-magazine “Anveshka” for the academic year 2023-24. This e-magazine showcases all our children’s incredible talents, fascinating imagination, creativities etc. I deeply congratulate all the students as well as the pride of teachers who constantly facilitate values and discipline. And I wish you all the very best for having a lot of success meets at various levels for the academic year 2024-25.*

*With Warm Wishes and God’s Blessing  
Shri D J Sagayaraj*



# केन्द्रीय विद्यालय संगठन KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)  
(UNDER MINISTRY OF EDUCATION, GOVERNMENT OF INDIA)  
क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी / Regional Office, Guwahati  
खवाहर नगर, खानापारा / Jawahar Nagar, Khanapara  
पिन कोड / Pin Code : 781022  
दूरभाष/TEL. : 0361-2360105, 06, 07, 08  
वेब/ Web: <https://roguwahati.kvs.gov.in/>  
ई-मेल/E-Mail : [kvsroguwahati@gmail.com](mailto:kvsroguwahati@gmail.com)

फा.20350/46/2024/केविसं(गु.सं)/117/

दिनांक 16.04.2024



## संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि, केन्द्रीय विद्यालय विमानन अनुसंधान केन्द्र, दुमदुमा, शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए, अपनी वार्षिक विद्यालय ई-पत्रिका 'अन्वेषणा' का प्रकाशन कर रहा है।

“कल्पना उड़ने के लिए पंख देती है;  
और शिक्षा खड़े होने के लिए पैर”।

विद्यालय ई-पत्रिका शिक्षा के माध्यम से, छात्रों की कल्पनाशीलता, प्रतिभा और उनके द्वारा अर्जित कौशल के प्रदर्शन का श्रेष्ठ माध्यम है। शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व की बहुआयामी प्रतिभाएँ विद्यार्थियों को अद्भुत रूप से प्रभावशाली बनाती हैं। मुझे आशा है कि यह ई-पत्रिका विद्यालयी गतिविधियों और योग्यताओं का ऐसा प्रतिबिंब बनेगी जिससे विद्यार्थी-शिक्षक सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे, और छात्रों के भविष्य को दिशा मिलेगी।

मैं समस्त विद्यालय परिवार को अथक और सामूहिक प्रयास के लिए बधाई देता हूँ, साथ ही परोक्ष क्षमताओं को उजागर करने वाली ई-पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

  
(चन्द्रशेखर आजाद)

उपायुक्त  
गुवाहाटी संभाग



केन्द्रीय विद्यालय संगठन



केन्द्रीय विद्यालय संगठन  
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)  
(UNDER MINISTRY OF EDUCATION, GOVERNMENT OF INDIA)  
क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी / Regional Office, Guwahati  
जवाहर नगर, खानापारा / Jawahar Nagar, Khanapara  
पिन कोड / Pin Code : 781022  
दूरभाष/TEL. : 0361-2360105.06.07.08  
वेब/ Web: <https://roguwahati.kvs.gov.in/>  
ई-मेल/E-Mail : [kvsroguwahati@gmail.com](mailto:kvsroguwahati@gmail.com)

फा.20350/46/2024/केविसं(गु.सं)/117/

दिनांक 24.04.2024



## संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि, केन्द्रीय विद्यालय ए.आर.सी. दुमदुमा विद्यालय ई-पत्रिका 2023-24 'अन्वेषणा' का प्रकाशन करने जा रहा है। इस पत्रिका ने विद्यार्थियों की प्रतिभा के विकास में पूर्ण योगदान दिया है।

विद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिका से विद्यालय की प्रगति एवं शैक्षणिक उन्नयन के स्तर का ज्ञान प्राप्त होता है। पत्रिका के प्रकाशन से छात्र-छात्राओं में सृजनशीलता, रचनात्मक प्रतिभा, व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास एवं देशप्रेम की भावना को विकसित करने में सहायता प्राप्त होती है। यह पत्रिका ज्ञान-वर्धक और रोचक सामग्री से परिपूर्ण है तथा विद्यार्थी इसकी रचनाओं के माध्यम से स्वयं को गौरवान्वित महसूस करेंगे।

मैं विद्यालय के प्राचार्य, सभी शिक्षकों और छात्रों को उनके इस अनपुम प्रयास के लिए हार्दिक शुभ-कामनाएँ देता हूँ।

धन्यवाद!

(राम कुमार पाणिग्राही)  
सहायक आयुक्त  
गुवाहाटी संभाग



# केन्द्रीय विद्यालय संगठन KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)  
UNDER MINISTRY OF EDUCATION, GOVERNMENT OF INDIA)  
क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी / Regional Office, Guwahati  
जवाहर नगर, खानापारा / Jawahar Nagar, Khanapara  
पिन कोड / Pin Code : 781022  
दूरभाष / TEL. : 0361-2360105, 06, 07, 08  
वेब / Web: <https://roguwahati.kvs.gov.in/>  
ई-मेल / E-Mail : [kvsroguwahati@gmail.com](mailto:kvsroguwahati@gmail.com)



## संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय डूमडूमा अपनी वार्षिक विद्यालय ई-पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है। केन्द्रीय विद्यालय मुख्यालय तथा गुवाहाटी संभाग का लक्ष्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके बहुमुखी विकास और उनकी रुचि के आंतरिक कौशलों को निखारने पर पूरा ध्यान देना है। विद्यार्थियों के इन्हीं आंतरिक कौशलों का प्रतिबिंब विद्यालय ई-पत्रिका के रूप में परिलक्षित है जिसमें लगन, निष्ठा और सकारात्मकता के भावों से परिपूर्ण बाल-साहित्यकारों की रचनात्मकता और सृजनात्मकता को प्रस्तुत किया गया है।

धरती की गोद में पड़ा अंकुर ना स्वयं को देख सकता है ना ही किसी को दिखता है, ज्यों ही अनुकूल वातावरण तथा प्रकृति के उपागमों का सहयोग मिलता है त्यों ही वह बीज अंकुरित हो उठता है, खिल उठता है। हमारे विद्यालयों में भी ऐसे ही बीज हैं जिनको अंकुरित करने का हमारा लक्ष्य और दायित्व है। विद्यालय ई-पत्रिका के माध्यम से नन्हे लेखकों एवं कवियों की आंतरिक प्रतिभाओं को मुखरित करने का कार्य अत्यंत सराहनीय है।

मैं आशा और अपेक्षा करता हूँ कि विद्यालय ई-पत्रिका का प्रकाशन अपने उद्देश्य को पूरा करते हुए भावी पीढ़ी के लिए पथ-प्रदर्शक व प्रेरणास्रोत साबित होगा। मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए विद्यालय के प्राचार्य, संपादक-मंडल तथा उभरते नवोदित रचनाकारों के साथ समस्त विद्यालय परिवार को बधाई देता हूँ तथा सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

मंगलकामनाओं सहित।

नरेश कुमार

सहायक उपायुक्त

गुवाहाटी संभाग

## प्राचार्य की कलम से...



केंद्रीय विद्यालय दूमदूमा, अपने आस पास के क्षेत्र में छात्र-छात्राओं को विद्यालयी-शिक्षा प्रदान करने में अहम् भूमिका निभा रहा है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, नैतिक परामर्श एवं विभिन्न शिक्षाप्रद कार्यशालाओं के माध्यम से बहुमुखी शिक्षा प्रदान करना, शैक्षिक उत्कृष्टता एवं एकल प्रदर्शन में पहचान दिलाना, खेलकूद के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक उत्थान कर राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की दिशा में उन्नत करना तथा वर्तमान नवाचार से छात्र-छात्राओं को अवगत कराना विद्यालय का मुख्य उद्देश्य रहा है। निश्चय ही इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में हमें कामयाबी मिलेगी। सत्र 2023-24 में विद्यालय का परीक्षा परिणाम भी सराहनीय रहा है।

किसी भी विद्यालय की पत्रिका उस संस्था की शैक्षणिक/गैरशैक्षणिक गतिविधियों का लेखा जोखा एवं प्रतिबिम्ब होती है। पत्रिका के माध्यम से छात्र-छात्राओं की मौलिक रचनाओं के प्रकाशन से विद्यार्थियों को एक मंच तो मिलता है साथ ही उनके विचारों, भावनाओं, प्रतिभाओं को व्यक्त करने का भी अवसर मिलता है। यही कारण है कि विद्यालय के छात्र-छात्राओं में विविध कला-कौशल का निरन्तर विकास होता दिखाई दे रहा है। इसी मूल उद्देश्य को लेकर सत्र 2023-24 में विद्यालय द्वारा "अन्वेषणा" नाम से ई-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। आशा है कि आप सभी को विद्यालय का यह प्रयास पसंद आएगा | मेरी ओर से संपादक मंडल को पत्रिका के सफल सम्पादन एवं प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं |

अशोक कुमार भूकल  
प्राचार्य

**CONTENT**

<b>Title</b>	<b>Page no.</b>
<b>CBSE Class 10 &amp; 12 Board Exam Achievements</b>	<b>1</b>
<b>Glimpses on 2023-24</b>	<b>5</b>
<b>Hindi Section [ कविता , कहानी और लेख ]</b>	<b>6 - 23</b>
<b>Club Activities</b>	<b>24 - 28</b>
<b>English Section [ Poem, Story and Article ]</b>	<b>29 - 51</b>
<b>Students' Achievements</b>	<b>52 - 53</b>
<b>CDP</b>	<b>54</b>
<b>Students' Canvas Corner</b>	<b>55 - 57</b>



# CBSE BORAD EXAM ACHIEVERS - 2022-23

## CLASS 12



**BHUMIKA BANIA**

**1<sup>st</sup> Rank – 91.8%**

SCIENCE TOPPERS		COMMERCE TOPPERS	
NANDINI AGARWA	88.8 %	BHUMIKA BANIA	91.8 %
DIVYA SHARMA	86.2 %	GLORY SENGUPTA	80 %
HARSHIT NINANIYA	82 %	NAMRATA DAS	79.6 %
OVERALL TOPPERS			
BHUMIKA BANIA		91.8 %	
NANDINI AGARWA		88.8 %	
DIVYA SHARMA		86.2 %	

## CLASS 10



**MUKUL SIKERA**

**1<sup>ST</sup> Rank – 89.4 %**

GRADE 10	
MUKUL SIKERA	89.4 %
RIYA DHAR	88.8 %
MANISHA KUMARI	85.6 %

# पराक्रम दिवस / Parakram Diwas



# परीक्षा पे चर्चा / Pariksha Pe Charcha



# सरस्वती पूजा / Saraswati Pooja



# गणतंत्र दिवस / Republic Day



# स्वास्थ्य जांच / Medical Check-up



# अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस / International Women's day



# दादा-दादी दिवस / Grandparents day



# मेरी माटी मेरा देश / Meri Mati Mera Desh



# स्वच्छता पखवाड़ा / Swachhata Pakhawada



# हिंदी पखवाड़ा / Hindi Pakhawada



# सपादक की कलम से,.....



प्रिय विद्यार्थियों,

मुझे यह सूचित करते हुए बहुत ही प्रसन्नता हो रही है कि, 'अन्वेषणा' (विद्यालय पत्रिका) के रूप में 'केंद्रीय विद्यालय दुमदुमा' के विद्यार्थियों की प्रतिभा का निखरता स्वरूप देखने को मिला है। उनका यह प्रदर्शन भविष्य की आधारशिला के समान है, जिससे उनका व्यक्तित्व प्रतिदिन प्रकाशमान रहेगा। विद्यार्थियों ने पूरे उमंग और उत्साह के साथ वार्षिक सत्र 2023-24 की शैक्षिक व सह-शैक्षिक गतिविधियों में अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया है। निश्चित रूप से सभी विद्यार्थी आगामी वर्ष की क्रियाओं हेतु भी स्वयं को तत्पर रखेंगे।

विद्यालय के प्रत्येक कार्य में छात्रों सहित शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। शिक्षकों के मार्गदर्शन में ही छात्रों का प्रदर्शन उचित दिशा प्राप्त करता है। अतः विद्यालय पत्रिका अन्वेषणा का प्रकाशन समस्त विद्यालय परिवार का सामूहिक व सफल परिश्रम होने के कारण सराहनीय कार्य है। पत्रिका निर्माण समिति के सभी सदस्यों विद्यालय के सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करती हूँ।

केंद्रीय विद्यालय दुमदुमा परिवार के प्रत्येक कार्य में सकारात्मक सहयोग देने वाले अभिभावकों का योगदान भी वंदनीय है। आपका प्रयास छात्रों के अनुशासन पूर्ण सफल जीवन प्रबंधन में सहायक होता है, तो निश्चित ही बच्चों के संस्कार निर्माण में भी आपकी भूमिका रहती है। इस विद्यालय पत्रिका में वही संस्कार प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से प्रदर्शित हुए।

पत्रिका के प्रकाशन में विद्यालय के प्राचार्य 'श्री अशोक कुमार भूकल' का हार्दिक अभिनंदन करती हूँ, जिनके सटीक मार्गदर्शन में हम यह कार्य पूर्ण कर पाए।

अंत में मैं ई-पत्रिका 'अन्वेषणा' के सफल प्रकाशन पर आप सभी को बधाई देती हूँ। हम इसी प्रकार आदर्श समाज के निर्माण में सहायक बनें, यही सर्वोच्च सत्ता से मेरी कामना है।

धन्यवाद!

## केंद्रीय विद्यालय संगठन पर कुछ पंक्तियाँ

भारतीय शिक्षा जगत में अपना स्थान विशिष्ट बनाता है,  
लाखों विद्यार्थियों के हृदय में ज्ञान की अलख जगाता है।  
भारतवर्ष के उन्नत क्षितिज पर ज्ञान सूर्य बन जगमगाता है  
अज्ञान तिमिर को हरने, सबको उत्कृष्ट शिक्षा सुलभ करवाता है ।  
उचित नियोजन, नवाचारी शिक्षण, कर्मठ शिक्षक, उत्साही छात्र केवि के आधार हैं।  
पाठ्यवस्तु व व्यक्तित्व विकास संग जीवनमूल्यों का भी नित्य होता संचार है !  
केंद्रीय विद्यालय मात्र संस्थान नहीं यह एक जीवन शैली का पर्याय है,  
लाखों युवाओं के जीवन वृत्त का यह एक महत्वपूर्ण अध्याय है।  
तपकर इसकी बहुविध प्रखर ज्वाला में, हर छात्र कुंदन हो जाता है;  
कला संगीत खेल के विविध आयामों का भी आसंजन हो जाता है।  
इसके गौरव को अक्षुण्ण रखने की, हम गुरु-शिष्यों की महती जिम्मेवारी है,  
बनाया है हमको केवियन, हे प्रारब्ध! हम तेरे आभारी हैं, हम तेरे आभारी हैं।

द्वारा

भूपेंद्र यादव,

स्नातकोत्तर शिक्षक(जीव विज्ञान)

के वि ए आर सी दूमदूमा

## एक संदेश अभिभावकों के नाम

शैशव और कम जानकारी भरा मस्तिष्क कुछ नया सीखने के लिए बिल्कुल सही होता है। मनुष्य कम आयु में जितना अधिक सीख सकता है, उतना अपनी बढ़ती उम्र के ज्यादातर हिस्से में नहीं सीख पाता। तो इस बात का सीधा संबंध है, हमारे बच्चों से अब बच्चों का भला चाहने वाले माता-पिता, अन्य संबंधियों और शिक्षकों की विशेष जिम्मेदारी है कि, अपने बच्चों को अधिक गहरी समझ के साथ ज्ञान सहित मूल्य दिखाए जाएं। शिक्षा ग्रहण करने की लगन सुनने, जानने और पढ़ने की सकारात्मक क्षमता का विकास बाल मस्तिष्क में तीव्र गति से होता है। यदि देखा जाए तो अधिकांश अभिभावक बच्चों की इसी अवस्था को लाभदायक नहीं बनाते बल्कि, इसकी जगह उसे बच्चों के साथ-साथ अपने लिए हानिकारक बना लेते हैं। सुविधाओं के अंबार अपने बच्चों को दे देते हैं। 2 या 3 वर्ष के बच्चे के आगे माता-पिता हार मानने लगते हैं, अक्सर सुना जाता है बच्चे बात नहीं सुनते जिद करते हैं पढ़ाई से दूर भागते हैं बिना मोबाइल के खाना नहीं खाते पर ये सभी आदतें अभिभावक ही डालते हैं। जब तक बच्चा अपनी इच्छा अनुसार कार्य करना सीखता है, तब तक उन्हें स्वयं हित, परिवार हित, समाज हित, राष्ट्र हित जैसी धारणाओं से दूर रखते हैं और जैसे ही बच्चा 12-13 वर्ष को पार करता है। यही सारी शिक्षाएं एक साथ थोपने का प्रयास किया जाता है। निश्चित है कि, अब तक बच्चा अपनी दृष्टि से संसार को देखना सीख जाता है और अब किसी भी प्रकार की बाहरी शिक्षा को, वे अपने अनुसार ही ग्रहण करेंगे और यह जरूरी नहीं कि वह ज्ञान हितकारी ही हो। कुछ माता-पिता दूसरे अभिभावकों से अच्छा बनने के उद्देश्य से बच्चों को बचपन से ही पढ़ाई और एजुकेशन जैसे रहस्यमई शब्दों के भार तले दबाने शुरू कर देते हैं। शब्द रहस्यमई है, क्योंकि वह खुद नहीं जानते कि पढ़ाई वास्तव में क्या है केवल किताब काँपी

पेंसिल और कुछ क्रियाओं से जबरन जुड़ाव पैदा करना एजुकेशन नहीं है। वास्तव में 8 वर्ष तक की आयु में 1 बच्चे में संसार के अनेक विषयों और वस्तुओं के प्रति जिज्ञासा रहती है और इसी समय हमें बच्चे में जानकारी हासिल करना, विपरीत परिस्थितियों का सामना करने जैसी समझ पैदा करना अपनी संस्कृति और परंपराओं के सही अर्थ और महत्व को समझाना जरूरी है। बच्चों के सवालों से परेशान हुए बिना उनके उचित प्रश्नों का सटीक उत्तर देना चाहिए बल्कि, शायद ही कोई माता-पिता बच्चों के प्रश्नों से अधिक उनसे ही प्रश्न पूछते हो जो कि बच्चे के मानसिक विकास और चिंतन शक्ति बढ़ाने का एक बहुत ही बढ़िया उपाय हो सकता है। कुछ माता-पिता शिकायत करते हैं, उनका बच्चा बहुत सवाल पूछता है, क्या करें परंतु यह तो बहुत खुशी की बात है, जो प्रश्न पूछ रहा है वह जानने की प्रक्रिया में है। कुछ भोले भाले अभिभावक एक सरल पंक्ति कहकर अपना पीछा छुड़ा लेते हैं कि अभी बच्चा है बाद में खुद ही समझ जाएगा, पर यकीन मानिए बाद में वह जो कुछ खुद सीखता है, वह आपकी समझ से बाहर हो जाता है। अतः बालपन में ही सही समझ के साथ अपने बच्चों को सबसे पहले मानवीय नैतिक मूल्य, संस्कृति व परंपराओं से लगाव, प्रकृति के प्रति आकर्षण और फिर भौतिक शिक्षा के प्रति जिज्ञासा रखने के खुले अवसर देने चाहिए। अपनी जिम्मेदारियों को आलस्य, अज्ञान और अनदेखी में स्वाहा ना करें। साथ ही बच्चे की अनैतिक दुर्व्यवहार और हिंसक मनोवृत्ति का स्नेह प्रेम का रूप में जरा भी सहारा ना दें, क्योंकि हो सकता है आज यह बातें किसी और के लिए हो, परंतु हर विचारधारा का प्रयोग सबसे पहले और निश्चित रूप से अपने घर से प्रारंभ होता है।

धन्यवाद!

प्रीति चौहान

पीजीटी हिन्दी



## खिरमन

सींचा मैंने इस मिट्टी को,  
अपने श्रमकण व शोणित से।  
पाला है इस खिरमन को,  
अपने शिशु से भी बढ़कर।

हृदय भी मेरा भर आता है,

देख आहार की बेकदरी  
को।

पशु पक्षी भी रो देते हैं,

देख भूखे नंगे ओवरी को।

आशियां वाले फेंकते हैं खिरमन,

जैसे अंगड. खंगड. हो।

हृदय भी मेरा भर आता है,

देख आहार की बेकदरी को।

## मां

एक तेरा ही प्यार सच्चा है मां,  
बाकी तो सब धोखा ही है।

तेरी मार खाकर भी हंसते रहना,

बातें कड़वी ही सही पर,

नीम के मीठे फल जैसी होती हैं।

बारिश तेज ही सही पर,

तेरे आंचल में मेरा छुपना

सारे संसार के सुख जैसा लगता है

मां।

तू दूर ही सही पर,

तू पास है मेरे मां ।

श्री अमरजीत कुमार

कला अध्यापक (के वि दुमदुमा)

## वृक्षाणाम् उपयोगिता

प्राचीनकालात् एव वृक्षाणां महत्त्वम् अस्ति। वृक्षाः अस्माकं मित्राणि सन्ति। वृक्षाः पादपाः च अस्मभ्यं फलानि, पुष्पाणि, पत्राणि, अन्नानि, शाकानि, औषधानि, बहूनि उपयोगीनि वस्तूनि च यच्छन्ति। वृक्षैः शीतला छाया अपि प्राप्यते। वस्त्राणां निर्माणे अपि वृक्षाः पादपाः च सहायकाः।

यथोक्तम्-

\*पुष्पपत्रफलच्छायामूलवल्कलदारुभिः।

धन्या महीरुहाः येषां विमुखं यान्ति नार्थिनः॥\*

एवमेव वृक्षाः प्राणिनाम् उपकारं कुर्वन्ति प्राणधारणे च सहायतां कुर्वन्ति । वृक्षाः अस्मभ्यम् ऑक्सीजनवायुं यच्छन्ति। अधुना उद्योगानां युगं वर्तते। कारखानेभ्यः मलिनः धूमः निस्सरति वातावरणं च प्रदूषितं करोति। वाहनेभ्यः अपि विषाक्तः धूमः निस्सरति। एवं वाहनेभ्यः उद्योगेभ्यः च निःसृतेन धूमेन वातावरणस्य या हानिः भवति तस्य निराकरणम् वृक्षैः क्रियते। यदि वृक्षाः न स्युः तर्हि जीवनं तु असम्भवम् एव। वृक्षाः कार्बन- डाइऑक्साइडनामकं वायुम् अवशोषयन्ति आक्सीजनं च विसृजन्ति, येन कारणेन वयं जीवामः। एतदर्थम् अस्माभिः वृक्षाः रक्षणीयाः। अस्माभिः वृक्षारोपणम् अपि कर्तव्यम्। एतेन समं पुण्यं कर्म न विद्यते।

उक्तञ्च-

\*वृक्षाः मित्राणि चास्माकं

दशपुत्रसमो द्रुमः।

इत्थं विचार्य कर्तव्यं

वृक्षाणां रक्षणं सदा ॥\*



अतः वयं संकल्पं कुर्मः यत् वृक्षाणां रक्षां वृक्षारोपणं च करिष्यामः।

किरण देबनाथ

## आओ सुनो पानी की कहानी

आओ सुनो पानी की कहानी,  
कविता की जुबानी,  
पानी हूं मैं, जरूरत सबकी हूं मैं  
एसेंशियल फॉर लाइफ होकर भी  
अपना नहीं, मजबूरी हूं मैं  
नदी, तालाब, समुंद्र ही मेरा घर है,  
और आज देखो तो वह भी सूखा और बंजर है।  
नल-टॉटी से गिरे, तब क्यों नहीं जरूरी होती हूं,  
जब व्यर्थ करते हो मुझे,  
तब क्यों नहीं जीने की वजह होती हूं  
सुधार लो गलती अब भी वक्त है.  
वरना इसकी बहुत ही सख्त है।  
लोग मेरे सहारे अपना आशियाना बनाते हैं,  
साथ साथ मेरा आशियाना भी उजाड़ते हैं  
लोग जरूरत पड़ने पर मेरे लिए तड़पते भी हैं,  
और जरूरत ना होने पर मुझे व्यर्थ करते भी हैं  
याद करो रहीम भी कह गए हैं:-  
इंसान, मोती, जड़ या चेतन  
सूने हो जाते हैं, मेरे बिन



अब भी वक्त है, सोचो समझो और समझाओ  
पानी बचाना है तो रेनवाटर हार्वेस्टिंग अपनाओ  
धरती की बस यही पुकार,  
पानी बचाना है तो पेड़ लगाओ,  
यही उसके लिए उपहार,  
जिसे अब तक ना समझो वह कहानी हूं मैं,  
मुझे बर्बाद मत करो जीवन देने वाला को पानी हूं मैं,

नैना कैमरा  
प्राथमिक शिक्षा के. वि

## 'मां की तरह'

सुंदर है यह सूरज, मां आपकी बिंदी की तरह,  
घुंघराले हैं ये मेघ, मां आपके केशों की तरह,  
रौशन है यह रात, मां आपकी मेहनत की तरह,



अब चाहत यह चाहे कि, राह भी मिल जाए, बस आपकी तरह।

प्यारा है यह फूल मां आपकी मुस्कुराहट की तरह,  
सुंदर है यह पल, मां आपके दुलार की तरह,  
साथी है सितारा यह, आपकी उंगली की तरह,  
संदेश अब मिल रहे हैं कि, मंजिल भी मिल जाए मां आपकी तरह।

अनंत है यह अंबर, आपकी ममता की तरह  
आकर्षक है आकाश, आपके स्नेह की तरह  
चंचल है यह चिड़िया, आपके आंचल की तरह  
अब मन ये गा रहा है कि, सफलता भी मिलेगी मां आपके आशीर्वाद की तरह।

हार्दिक कुमार साहू

कक्षा IX

## मेरा देश

हमें देश है सब कुछ देता,  
हम हैं वतन के भावी नेता,  
आओ एकजुट होकर करें,  
हम सब कुछ काम



गुंजाए दुनिया में भारत मां का नाम,  
कभी नुकसान न पहुंच पाए कोई पाकिस्तान  
आओ हम सब मिलकर बनाएं एक ऐसा हिंदुस्तान,

कितने हुए शहीद यहां पर आजादी की लड़ाई में  
कितने चढ़ गए हंस के फांसी, नाजुक सी तरुणाई में  
हम भी होते उस वक्त अगर आजादी की लड़ाई में  
लिखवा जाते अपना नाम अमर इतिहास की पढ़ाई में।

अदिति

कक्षा- V

## बचपन



कलियों की बहार थी,  
फूलों का खेलना था  
मां की ममता थी  
पापा का प्यार था  
हर दिन कुछ नया करना था,

अगले दिन भूल जाना था  
पल भर में रूठ जाना था और

अगले दिन मन जाना था  
डॉक्टर बनने का सपना था  
पर दिल तो फौज का दीवाना था  
रीतू और नीतू घर आते थे  
खुशियां साथ मनाते थे।



स्वर्णभ बरुआ

कक्षा V

## प्रेमणः महत्वम्

एकस्मिन् ग्रामे मीना नाम बालिका निवसति स्म। एकदा सा स्वग्रहस्थ समीपे एकं क्षतिग्रस्तं पक्षिणं प्राप्तवती। पक्षिणः पक्षः क्षतिग्रस्तः आसीत् सः उड्डयनं कर्तुं न शक्नोति स्म। समयं न व्यययित्वा मीना शनैः शनैः पक्षिणं उद्घृतवती। सा तं स्वग्रहं नीत्वा परिचर्याम अकरोत्। मीना पक्षिणः कृते जलं भोजनं च स्थापयति स्म। कतिपयेषु दिनेषु सः पक्षी पुनः उड्डियेतुं समर्थः अभवत्। मीना पक्षिणं उड्डयनार्थं गगनं मुक्तवती। तां दृष्ट्वा ग्रामजनाः प्रेरिताः भूत्वा मीनायाः प्रशंसा कुर्वन्ति स्म। मीना अवगच्छति स्म यत् प्रेमणं परिचर्यायां च कस्यचित् जीवनं परिवर्तयितुं शक्नोति।

नैतिक शिक्षा - प्रेमणा परिचर्यायां च कस्य न केवलं अन्येषां साहाय्यं कर्तुं शक्नुमः अपितु तान् नूतनं जीवनं अपिं दत्तुं शक्नुमः।



दीपाश्री श्रीवास्तव

कक्षा- सात



## बचाओ फ्यूल

मैं हूँ ऐसा लिक्विड जो है, काला-गाढ़ा  
उपयोग करते लोग मुझे अपने कामों में ज्यादा  
इस्तेमाल होता हूँ, ड्राई क्लीन और इंजन ऑयल में  
तुम जानते हो मैं लेता हूँ, मिलियंस ऑफ़ ईयर' बनने में,  
ये भी जानते हो अगर मैं खत्म हो गया,  
तो चलाओगे कैसे अपना काम  
मत व्यर्थ करो मुझे बचाओ, फ्यूल बचाओ,  
तब होगा जीवन आसान, सरल होंगे बहुत से काम।

स्वर्णभ बरुआ  
कक्षा V

## दुनिया रंग बिरंगी

नीला जैसे खुला आकाश है,  
सागर का नीला पानी है  
मोर के सुंदर पंख हैं और पेड़ पर बैठे पंछी हैं।  
पीला जैसे चमचमाता सूरज है,  
पका आम और केला है,  
सब्जियों में नींबू है और सूरजमुखी का फूल है।  
लाल जैसे फूलों में है खुशबूदार फूल गुलाब  
है चेरी और लाल मटर टमाटर,  
और मेरी नाक पर फुंसी है।  
अच्छा हरा जैसे हरी हरी यह घास है  
मीठे मीठे मटर हैं पालक और बंद गोभी है  
और पेड़ के हरे हरे पत्ते हैं

बी रुबिका

कक्षा 11 वाणिज्य

## खादी महोत्सव

स्वदेशी खादी भारत की पहचान है। खादी महोत्सव भारतीय संस्कृति और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह एक ऐसा उत्सव है जो खादी के महत्व को महसूस कराता है, स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता महात्मा गांधी के संकल्प को याद दिलाता है। खादी भारतीय उपमहाद्वीप की समृद्धि और ऐतिहासिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह एक प्राचीन वस्त्र बनाने की प्रक्रिया है जिसमें हाथों से बुनाई डिजाइन और सिलाई की जाती है खादी का नाम खादर एक प्रकार के पौधे से आता है जिससे वस्त्र बनाने के लिए उससे यह यानी रेशा बनाना पड़ता है।

महात्मा गांधी ने खादी को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक महत्वपूर्ण साधन माना और यही उनके सत्याग्रह और स्वदेशी आंदोलन का हिस्सा बन गया। खादी के पहनने से लोग अंग्रेजी वस्त्रों के प्रतिवाद में अपना स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रति अपना समर्थन दिखा सकते थे। खादी महोत्सव एक पर्व है, जो इसके उत्पादों के महत्व की भूमिका प्रकट करता है। यह एक ऐसा मौका होता है जब खादी के उत्पादक और कारीगर अपने अपने उत्पादों को प्रदर्शित करते हैं और लोग खादी के उपयोग की महत्ता समझते हैं। खादी महोत्सव का आयोजन विभिन्न गांवों और शहरों में किया जाता है और यह वस्त्र उद्योग के उत्पादकों के लिए महत्वपूर्ण विपणन का माध्यम होता है। इसके माध्यम से खादी उत्पादों का व्यापार बढ़ता है और लोगों को खादी पहनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

खादी महोत्सव समृद्ध जीवन शैली को सूचित करता है। यह अनेक आयोजनों, कार्यक्रमों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का हिस्सा बन जाता है। यह महोत्सव भारत में एक महत्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रम है, इस अवसर पर विभिन्न संगठन और सरकारी अधिकारियों द्वारा व्यापार

वर्ग संगठित किए जाते हैं, औरवे खादी उत्पादों को बढ़ावा देते हैं। विपणन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं बनाई जाती हैं। खादी महोत्सव का उद्देश्य खादी के महत्व को सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से आगे बढ़ाना है। यह एक विशेष तरीके से खादी उत्पादों को समर्थन देने का मौका होता है और उन्हें वस्त्र उद्योग में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।

इस महोत्सव के माध्यम से हम अपने स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता गांधी जी के संकल्प को याद करते हैं। यह पर्व खादी के प्रति हमारे समर्थन को प्रकट करता है, इसके अलावा यह हमारे वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने में मदद करता है और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा देता है। “खादी को अपनाना है देश को आत्मनिर्भर बनाना है”।

कशिक कोइरी कक्षा 9

## निबंध: रिश्वत का रोग

आजादी के बाद हम अपने आर्थिक विकास को लेकर चिंतित रहते थे। अब जबकि हम अच्छी आर्थिक प्रगति कर रहे हैं, तो हमारी चिंता कुछ और ही है। जब कोई व्यक्ति किसी कारण पदोन्नति प्राप्त करता है, तो वह आगे बढ़ने की इच्छा शक्ति खो देता है। यह एक सीधी सादी सच्चाई है। लोकतंत्र यह भ्रम पैदा करता है कि, हम सब मामले में बराबर हैं।

आज अदालत में वर्षों से लाखों मामले लंबित पड़े हैं। लोग अपने काम से जी चुराते हैं। हम आगे बढ़ना चाहते हैं, तो अपनी कमजोरी पर भी हमें काबू पाना होगा। देश में रिश्वत के कारण प्रगति नहीं हो रही है। बिना रिश्वत लिए कोई काम नहीं कर रहा है। आज सभी ओर रिश्वत का बोलबाला है।

कहावत है कि किसी लकीर को छोटा करने के लिए उसे मिटाने की जरूरत नहीं बस उसके सामने एक बड़ी लकीर खींच दो। लोकतंत्र में असमानता के सिद्धांत को समाप्त किए बिना प्रतिभा को आगे लाने का रास्ता बनाना रिश्वत और आलस से त्रस्त देश को मुक्ति की दिशा में ले जाने वाला अद्भुत काम होगा।

संजना सिंह

कक्षा 6

## ‘पापा घर आ गए’ (कहानी)

राज 08 साल का बच्चा था, उसे पतंग उड़ाने का बहुत शौक था। उसके पिता जी विदेश में जाकर काम करते थे और 07 सालों से उसके पापा घर नहीं आए थे, इसलिए राज ने पापा को कभी भी देखा नहीं था। उस समय मोबाइल भी नहीं होता था, इसलिए राज अपने पिता जी से बात भी नहीं कर पाता था।

अपने पिता जी से बहुत प्रेम होने के कारण वह अपने दादाजी से रोज ₹20 लेकर पतंग खरीदता और उसमें संदेश लिखकर हवा में उड़ाकर अपने पापा के पास संदेश भेजना चाहता था। वह उन्हें घर बुलाने की कोशिश करता था कि, पिता जी घर पर जल्दी से आ जाओ, मैंने आपको कभी देखा भी नहीं है। यह देखकर उसके दादाजी को बहुत दुख हुआ। उन्होंने राज के पापा को चिट्ठी भेजी, जिसको देखकर उसके पापा घर आ गए और राज उन्हें देखकर बहुत खुश हुआ।

अंश शाह, कक्षा 5

## ‘जीवन में सूझबूझ का महत्व’

एक किसान थककर खेत से लौट रहा था। उसे बहुत भूख भी लगी थी, लेकिन जेब में एक दो ही सिक्के थे। रास्ते में हलवाई की दुकान पड़ती थी। पैसे ना होने के कारण वह मिठाई की दुकान पर रुका, तो सही लेकिन मिठाई ना खरीदकर केवल उनकी सुगंध लेने लगा। हलवाई ने उसे ऐसा करते देखा तो उसे कुटिलता सूझी, जैसे ही किसान जाने लगा, हलवाई ने उसे रोक लिया। किसान हैरान होकर देखने लगा। हवाई बोला पैसे निकालो। किसान बोला- पैसे किस बात के मैंने तो मिठाई खरीदी ही नहीं। हलवाई ने जवाब दिया तुमने मिठाई बेशक नहीं खाई, लेकिन मिठाई की खुशबू तो मिठाई खाने के बराबर ही है, तुम्हें इस मिठाई की खुशबू के पैसे भरने ही होंगे, ऐसे मैं तुम्हें जान नहीं दूंगा। किसान पहले तो घबरा गया, लेकिन सूझबूझ अपनाते हुए उसने अपनी जेब में हाथ डाला और जेब में रख दो सिक्के निकाले, और हाथ में रखकर खनखना कर जाने लगा। तभी हलवाई ने उसे रोक लिया और कहा मेरे पैसे निकालो। तभी किसान ने कहा कि मिठाई की खुशबू खाने के बराबर है तो सिक्के की खनखनाहट पैसे के बराबर है। ऐसा कहकर अपने घर चला गया। इसे कहते हैं सूझबूझ से काम लेना।

शिवानी चौधरी, कक्षा 6

## उपचारात्मक शिक्षण / Remedial Teaching



## हैरिटेज क्लब / Heritage Club





# भारत स्काउट्स एंड गाइड क्लब / Scout & Guide club



## कब्स/बुलबुल / Cubs / Bul Bul



## एडवेंचर क्लब / Adventure club



## ईको क्लब / Eco Club



## ई बी एस बी / EBSB Club



## जीवन कौशल क्लब / Life Skills Club



## रीडर्स क्लब / Readers Club



## करियर परामर्श क्लब / Career Counseling Club



# साइंस क्लब / Science Club



# लिटररी क्लब / Literary Club



From editor's desk.....

We are delighted to present to you the magazine 'ANVESHNA' for the academic year 2023-24. The year was replete with lot of upheavals and testing times as far as school activities are concerned. But we are satisfied a lot for having achieved most of our goals with a great sense of pride.



This platform is for the young budding minds, who were kept busy through various activities for them by their mentors and the response from the young go getters was awesome. Through this magazine we are pleased and honoured to share with you the messages from the stalwarts and luminaries of KVS. You will also discover a wealth of contribution from students and faculty in the form of inspirational thoughts as well as useful and interesting write-ups. It is not just the text but the splendour and plethora of pictures and images that will woo you to the number of activities, celebrations and enriching events that unfolded during the academic year the editorial board extends its heartfelt gratitude to our Erudite Principal Sir, for his foresight and guidance in bringing out this beautiful publication.

I also extend my genuine gratitude to the staff of the Vidyalaya, especially the language departments for their invaluable support. I would be failing in my duty if I did not mention students and staff who have endeavoured to the hilt and contributed their might to ensure that this edition of our magazine remains vibrant and inspiring.

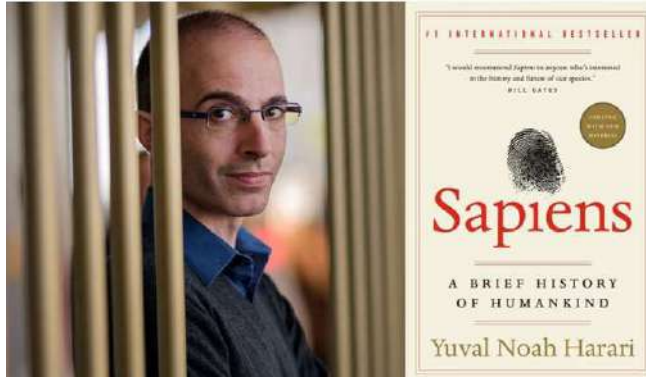
Hope you will enjoy reading this as much as we enjoyed in preparing and serving it.

Ritu Yadav

PGT (English)

## My Perspectives on Emerging Trends in Technology

We are apart from 6 million years of humans' first step in this world. As far as the famous author Yuval Noah Harari is concerned, ample of



changes have been encountered at every stage of humankind. The book “A brief History of Humankind” explores the way in which biology and history have defined us and enhanced our understanding of what it means to be “human”. The author embeds many other momentous events, most notably the development of languages. These kind of remarkable evidence on human civilization is coated in History books of all pages and we all have learnt broadly. It has been leading us to becoming socialized rather than becoming dominions on Earth.

When it comes to solving problems and the strategies used and the remedies taken to solve the issues, we tap our back ourselves how intelligent we are. But the fact is, this mankind is presumptuous to the law

of Nature in reality. So, we deserve to experience the catastrophe caused by the mother nature. Because of our selfishness, we are going to lose one by one. This civilized humankind is losing all tangible and intangible qualities. Eventually, the kind exists only in “Humankind”.

Some people post in social media that the emerging trends in technology would be the reason for all the disasters. If you investigate this in deep, they use the same technology to spread their grapevines. It is easy to throw a stone on someone. But it is difficult to come forward and explore the truth.

When a man started believing the applications for doing all the routine works, our values are gone. They are also equally responsible for the mistakes. There is no use of griping about the technology and the gadgets. We make use of these devices for our own conveniences. Beyond this, we put our trust completely on it and we have become more dependent to it. Consequently, we divert the opinions unanimously towards the helping appliances / machines which never try to defend for themselves.

However, the fact is that we, civilized animals are extremely responsible for all the consequences that what we are going through right now. It's agreed that the

development in technology is essential for the development of foreseeing world. Parallely, framing necessary provoking measures are highly considered for carrying human values and morals along with it. So far, it's well and seen. When it comes to an individual's liabilities towards his/her society and mother nature, we are lost.

It is apparent that the crimes what we do using gadgets, are the real evidence of all our faults. The footprints what we leave on the seashore will be vanished, but in social media where we register our footsteps, remain forever. We may think that we are always impeccably utilised the social media. But sometimes, our blender is imperceptible. The damages caused by the people who exploit the technology in a wrong way, are uncountable and the result to the individual is also excruciating.

It may seem that I am biased and supporting the trending e-approaches. Yes, it is obvious. I have rights to delegate the prominent values of these new approaches which will be taking this world to the next milestone. Besides, addressing how to use them in an appropriate way without disturbing the ecological system and not collapsing the nature formula and carrying our human values to the upcoming generations.

To conclude, my perspective on emerging trends in technology that every change in human, brings new civilization with all acceptances. It is our responsibility to take essential measures to guide the young minds in a right way. Primarily, school is the one of the finest places to facilitate how to use the technology towards the development of humankind. It is not only from the school forum, but also from every individual's mindset to be ready to support each other towards achieving to have good people, smart cities, developed countries and green world.

**Written by  
Sh. Vijayaraghavan A G  
PGT CS,  
KV DoomDooma.**

## MY LITTLE BROTHER

I have a little brother,  
I know he's very clever.



When I sit for my study,  
He comes and asks to tell him a story.

When I do my Maths,  
He comes to me with snacks.



When I read Science,  
He shouts his nursery rhymes.

When I want to study,  
He wants to sit on a rocky horse.



When I draw a deer,  
He wants me to be with teddy bear.

Shivani Chaudhary,  
Class VI



## LAVENDER

- \* Lavenders, also called Lavandula, are a species of flowering.
- \* Plants in the mint family, native to the Mediterranean region.
- \* Lavender species are common in herb gardens for their fragrant leaves and attractive flowers.



- \* These fragrant flowers are sought after for multiple uses from culinary to medical uses.
- \* English lavender, French lavender and Spanish lavender are the popular varieties of lavenders.
- \* There are colored lavenders such as purple, yellow, green, white, and pink.
- \* The plants are widely cultivated for their essential oils, which are used to scent a variety of products.
- \* The dried flowers are used in sachets to scent chests and closets.

Sanjana Singh,  
Class VI

## IMPORTANCE OF EDUCATION IN OUR LIFE

Education is a powerful weapon that aids an individual to face the adversities of life and overcome societal stigmas such as poverty, fear, status to achieve success. Education is the hope of development and success for most third-world countries and the world's dominion countries. Mandatory education builds the scope of better growth and development. It allows an individual to explore the world through their knowledge. Education is a fundamental asset for humans. Education is an essential factor for children as they are the future of the world, and they need the knowledge to stay updated on the current affairs in society. The only weapon to fight injustice is education.



“An educated mind is better than an empty one”

Ayushka Mishra, Class VI

## WINDMILL

- Wind is a renewable energy source, and a windmill is a machine that uses wind to make electricity.
- A windmill has big blades that spin when the wind blows.
- This way of producing energy has a very minimal effect upon the environment as it does not pollute the air or water.
- Earlier, people used windmills to grind, pumps water and clean drainage.
- The modern version of windmills called wind turbines produce electricity for many communities.
- When a group of wind turbines work together, it's called a wind farm.



Pankhuri Sharma,  
Class VI

## OH! RABBIT

Oh! Rabbit

Oh! Rabbit, you are so white,

You run fast at night.

Your ears flop up and down,

When you run through the town.

You are so fluffy,

So, you are better than a puppy.



Nidhi Sati,  
Class VI

## FOSSIL FUEL

Fossil Fuel

I am made up of fossils and I am black.

I come from the ground. I take million years.

People can't make me. I am used in Car, Bus, Road, etc.



Hrishikesh ,  
Class V

## DON'T DEPEND ON THE INTERNET ALWAYS!!!

Shetty, a boy lived in a big city. He always took help from the Internet in his work. He was dependent on the Internet too much. One day, he went on a jungle safari. He booked a jeep for this. The jungle had tigers, rhino, rabbits, etc. The jungle campus had a guest house for the visitors. There was a tree looking like a cherry tree. The fruits on the tree looked like cherries. Then he



asked the manager about the fruit on the tree. The Manager replied that these were poisonous fruits. Shetty thought the internet always gives us correct information. He opened Google Lense. The Google lense was showing that the tree was a cherry tree. So, he plucked some fruits and ate them. After a while, he felt vomiting and headache. He was checked out from the guest

house and was admitted in nearby hospital. The doctor asked, “What happened to you?”. Shetty said all the incident and showed the picture of the fruit. He was admitted for a week. After a week, he felt good and realized his mistake.



### Moral

The Internet is only a little bit of help. We must use our brain and commonsense in any decision.

Krishnendu,  
Class V

# The Story of Rabbit and tortoise

Once upon a time there was a Rabbit and a tortoise. They were good friends. They used to meet and play everyday. The rabbit always boasted that he could run faster than the tortoise.



So they decided to having a race. They chose a starting and finishing point. The rabbit ran really fast and soon left the tortoise for behind. He thought that tortoise is too slow and he

Could rest for a while. So he stoped under a tree and reched the winning point. When the rabbit wake up he saw that tortoise had already won the race.



Moral :- Slow and steady win the race.

## The two friends

Once there lived a lion who was the king of the jungle. His favourite pastime was to sit by the sea. One day, he saw a dolphin playing in the water. The excited lion called out "Oh Dolphin! Will you be my friend?" The dolphin replied of course! It will be my pleasure. From that day onwards, the two become very good friends. One day, as the lion was sitting by the sea, he was suddenly attacked by a raging bull. The lion was taken aback. "Help me, Dolphin!" But the poor dolphin could not help as she would have done if she had come out of water. The lion was eventually defeated by the bull but he was very angry with the dolphin. The poor dolphin cried and explained every thing to him. They understood that everyone was helpless in front of the Nature. He for gave the dolphin.

Moral :- Do not have expectations which cannot be met.

Name - Divyanshu Yadav

Roll - 27

Class - 6<sup>th</sup>

## FAMOUS

Bengal is famous for writing,  
Punjab for fighting,  
Kashmir for Beauty,  
Sikkim for duty.  
Assam for Tea,  
Bihar for history.  
Meghalaya for rain,  
Kerala for train.  
Odissa for temples,  
Himachal Pradesh for apples.

Somya Sharma, Class VI

## My School

I love my dear School,  
It is very big and wonderful.  
When my school is closed,  
At home I feel very board  
All the teachers are very nice,  
They take extra care of us.  
All my friends are very good,  
During tiffin hours we share  
Our food. In the school, we have  
A big playground, where we play football  
round and round. May God guide us  
and our school forever. This is what,  
I say every day in my prayer.



Ankita Choudhary, Class VI

## How to reach your destiny...

Watch your thoughts,  
They become words.  
Watch your words,  
They become action.  
Watch your action,  
They become habits.  
Watch your habits,  
They become character.  
Watch your character,  
It becomes your destiny.



Rohit Chaudary, Class VI

Oh! God,

Oh! My God,  
You are so kind,  
You are so nice.

You have given us life,  
You have created birds and us,  
You have created animals,  
You have created trees,

You are so nice.  
Thank you! Thank you!  
Oh! my kind God,  
Bless us to be kind and good.



Monjista, Class VI



## The Gardener's Favourite Flower...



of The lily is an exotic flower with lovely trumpet shaped buds and narrow leaves, borne on a tall, slender stem. There are over 100 varieties of lilies, and most variants are pleasantly fragrant. One the oldest cultivated plants, the lily was a favorite flower among ancient Greeks and Romans, who grew it for ornamental and medicinal purposes. The oil from the flower can be used in certain ailments to cure injuries.

S. C. Simrutirekha , Class VI

### Riddles

1. I am red and round.  
On a tree I'm found.  
I am juicy and sweet for you to eat.  
Who am I?
2. It's a type of berry.  
Red, Purple or Green  
It's little and round.  
Can be small as bean.  
Who am I?
3. I have a neck, but Face I have none,  
I have two Arms, but hands I have none.  
Who am I?
4. Remove the outside,  
Cook the inside, eat the outside,  
Throw away the inside. What is it?

Ayush Raj, Class VI

## Don't use mobile phones more...



**DO NOT USE  
MOBILE PHONES**

Once, there was a boy whose name was Ram. He was weak in studies, games, and art & craft. He had no hobbies because he loved to look at the phone even though he didn't sleep. Because the whole night he was looking at the phone and in class he was sleeping. The phone damages his eyes and brain. At the age of 12, he was totally mad and blind.

Hrishikesh , Class V

## Success

Take time to work,

It is the price of success.

Take time to think,

It is the source of power.

Take time to play,

It is the secret of perpetual youth.

Take time to read,

It is the foundation of knowledge.

Take time to share,

Life is too short to be selfish.

Take time to laugh,

Laughter is the music of the soul.

Take time to love and be loved,

Love gives life meaning.

Take time to be friendly,

It is the road to happiness.

Whatever you choose to do in life,

Do it with all your heart.



Subasan , Class VIII

## Article on Global Warming

Global Warming is the long-term warming of the planet's overall temperature. Though this warming trend has been going on for a long time, its pace has significantly increased in the last hundred years due to the burning of fossil fuels. As the human population has increased, so has the volume of



fossil fuels burned.

Fossil fuels include coal, oil,

and natural gas and burning

them causes what is known as the "Greenhouse Effect" in Earth's atmosphere. The greenhouse effect is when the sun's rays of heat is reflected off the surface but cannot escape back into space. Gases produced by the burning of fossil fuels prevent the heat from leaving the atmosphere. The excess heat in the atmosphere has caused the average global temperature to rise over time, known as Global Warming.

Himanshu,  
Class VI

## My look towards Science

Very often when we hear about science, some may get excited, and some may not. But friends, science is a very interesting, amazing, and excited topic. Science is a vast subject. It is expanded to the whole universe. As we cannot measure gravity in a laboratory because a laboratory is under the influence of earth's gravity.

I feel it is very interesting that science is not a constant fact. It is updated or replaced by new discoveries, theories, and research. We can take the example of the modern periodic table which was represented by various scientists by lot of updates and corrections. It is also possible in future that this modern periodic table may be replaced or updated.

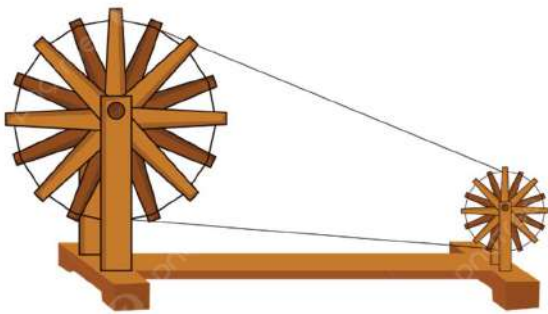
I believe that to be a great scientist, one should not be always great in science, but should be crazy about science. One of our best-known scientists, Albert Einstein, was not great at science. He even failed his matriculation exam. But he was crazy about science. He said, "Imagination is much more essential than knowledge, logic can take you from A to B but imagination can take you everywhere."

Ashish Kumar Pandit,  
Class XI

## Khadi

“Khadi is not just a way to empower the poor but is an example of India’s self-esteem”.

Indian Khadi-fabric, also known as Khaddar, is made by spinning threads on an instrument called charkha. It is woven and spun by hand, which is a time-consuming process. Before Independence, Khadi manufacturing gained momentum under Mahatma Gandhi’s leadership as a movement to boycott Britishers clothes. It was then the fabric of freedom fighters and the rural folk.



Gandhiji developed the concept of Khadi to provide employment to the unemployed rural population. Our Indian National Flag is also made of Khadi. Therefore, it holds a great national importance. The versatile Khadi fabrics the unique property of keeping the wearer warm in winter and cool in summer. It has a coarse texture and gets easily crumpled, and therefore, is starched to keep it firm and stiff. Khadi was earlier dyed in earthy color tones and was used to make traditional garments. But designers now are experimentally dyeing it in striking

colors. There is a huge demand for it in the international market as well, especially in the west. The khadi and village industries commission is the Indian government body that promotes Khadi, whose production and sales come under the small scale industry sector.

KVIC was created by a parliament act after which many KVIC outlets were opened across the country. It also organizes exhibitions and trade fairs in the country and abroad to promote Khadi. The Khadi sector employs 19.97 lakh people and the total annual production of Khadi is 111.49 million sq. metres. Khadi over the decades has moved from a freedom fighter’s identity to a fashion garment. There is such a high demand for Khadi now that fulfilling it has turned a challenge. Khadi is a symbol of self-reliance and economic independence, and it helps to unite people from all walks of life. It symbolized a national spirit that urged Indians to respect their land and culture.

“THE KHADI SPIRIT MEANS FELLOW FEELING WITH EVERY HUMAN BEING ON EARTH”

Anjali Nanda,  
Class XII

## The Secret of Life

Life is education so get it.

Life is a song so sing it.

Life is a dance so play it.

Life is a journey so travel it.

Life is a challenge so accept it.

Life is a dish so enjoy it.

Life is a battle so win it.

## Thoughts

Roses are red.

Violets are blue.'

Always do what you are  
afraid to do, to build  
your confidence stronger.

I believe that students are the pillars of nation.

But without an engineer it is not possible to build such a strong  
pillar and teachers are the engineers who make such strong pillars.

Things to do when bored

Prank a friend over text.

Take a picture every hour to record your day.

Ashika Dubey , Class VIII

## Find Bugs

Try a diy from pinterest.

Start watching a new series.

Doodle your thoughts.

Organize your wallet.

Create a funny skit and video it.

Do as egg drop experiment.

Paint rocks with paint.

Learn the alphabet in sign language.

Pretend you are royalty and behave like

One for at least a few hours.

Make your family tree.

Your dog

(If you don't have....

Groom the neighbor's dog)

RimShim Sah,  
Class VI

## Ronaldo 7

Cristiano Ronaldo is considered to be one of the greatest footballers of all time, and by some as the greatest ever. Cristiano Ronaldo's football career stands as a testament to unparalleled excellence and remarkable achievements. Hailing from Madrid, Portugal, Ronaldo's journey began at Sporting Lisbon before his prodigious talent captured the attention of Manchester United in 2003. During his time with red devils, he played a pivotal role in securing three premier league titles and a memorable UEFA champions League triumph in 2008. In 2009, Ronaldo embarked on a historic move to Real Madrid, where he became the club's all time leading league titles. His goal scoring power and electrifying pace and versatility on the pitch have set him apart as one of the greatest footballers of this generation. Ronaldo's individual accolades include multiple FIFA Ballon d'or awards, recognizing him as the world's best player. From the streets of Madeira to the grand stages of world football, Ronaldo's journey is a narrative of triumph over adversity. His unparalled work ethic, insatiable hunger for success, and the ability to consistently elevate his game have set him apart as an inspirational figure. Ronaldo's story teaches us that greatness is not merely born but forged through resilience, discipline, and an unyielding belief in one's capabilities. His success serves as a reminder of the importance of hard work and discipline.



Lakhyajoyti Haloi

Class XI-B

## Dinosaurs

Dinosaur is an ancient and extinct animal millions of years ago, a meteorite hit the earth, due to which the dinosaur died. Their remains are now their history. No species of dinosaur is alive anywhere in the world. Dinosaurs were huge and dangerous animals. There were two species of dinosaurs, herbivorous and carnivorous. Vegetarian dinosaurs used to eat plants and leaves. All dinosaurs lived on Earth. Dinosaurs are known to be the largest animal in the world. According to the size, Scientists found many types of dinosaurs.



Gejom Lollen  
Class 6

## Solar Energy

- Solar Energy is a renewable resource.
- It does not need much maintenance.
- In addition to being frequently utilized for solar water heaters and home heating.
- Solar energy has many other advantages.
- Various industries like chemical, food, textile, etc. use solar energy for their functioning.
- Solar energy is used to warm greenhouses, swimming pools, and livestock buildings.
- Solar energy may also be used to cook food and provide power supply for gadgets.



Sujata Kumari , Class VI



## A Sledding Song

Sing a song of winter  
Of frosty clouds in air!  
Sing a song of snowflakes  
Falling everywhere.



Up and down a hillside  
When the moon is bright,  
Sledding is a tiptop  
Wintertime delight

Sing a song of winter!  
Sing a song of sleds!  
Sing a song of tumbling  
Over heels and heads.

Mriduprotim Das,  
Class III

## Christmas Day

In winter's hush, 'neath stars a glow,  
A tale unfolds in gleaming snow.  
Christmas whispers in the night,  
A symphony of pure delight.

The tree adorned with baubles bright,  
Reflects joy, a guiding light.  
Gifts wrapped with care, in ribbons twined,  
Love and warmth in every find.

Families gather, hearts entwine,  
A feast of love, a bond divine.  
Carols echo through the air,  
Spreading peace everywhere.

Santa's sleigh in silhouette,  
Leaves dreams beneath the moon's soft set.  
Stockings hung with hopes and cheer,  
Magic lingers, drawing near.

On Christmas Day, a timeless tale,  
Of love and joy that'll never pale.  
In every heart, a song to sing,  
Merry Christmas, let the bells ring!

Rupak Prasad,  
Class VI

## A Farmer and a Snake



Once upon a time, there was a farmer. One morning he was returning from his field. It was very cold. He saw a snake lying on the road. It was half dead because of the cold. The farmer felt pity for it. He took the snake to his house.

There he put it near the fire. The snake began to move. He gave it milk to drink. The snake was strong enough to run about. Soon the farmer's son came there. The snake rushed to bite him.

Moral: Not to take pity on harmful people.

Moon kumari,

Class IV

# खेल गतिविधियां एवं उपलब्धि

## Sports Activities & Achievements



# फिट इंडिया / FIT India



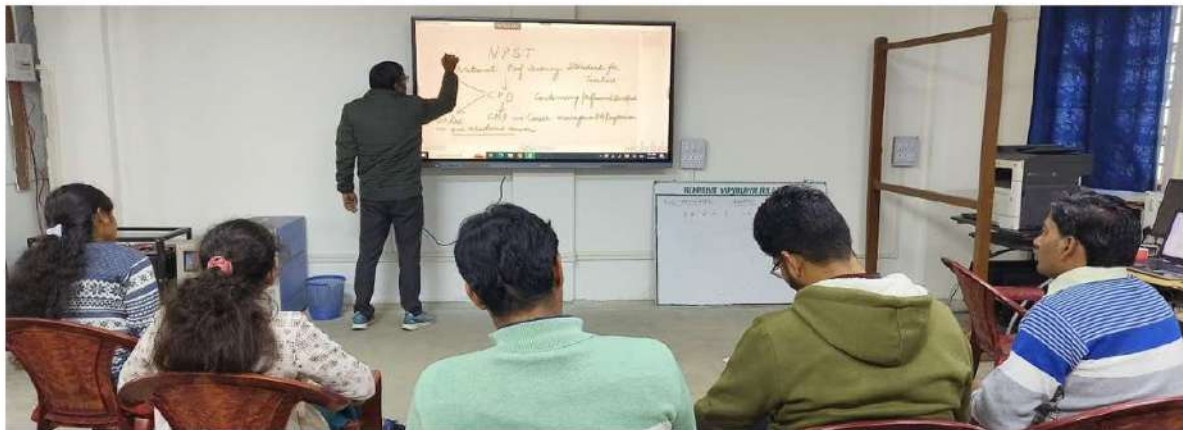
## पी पी सी चित्रकला प्रतियोगिता PPC Painting Competition



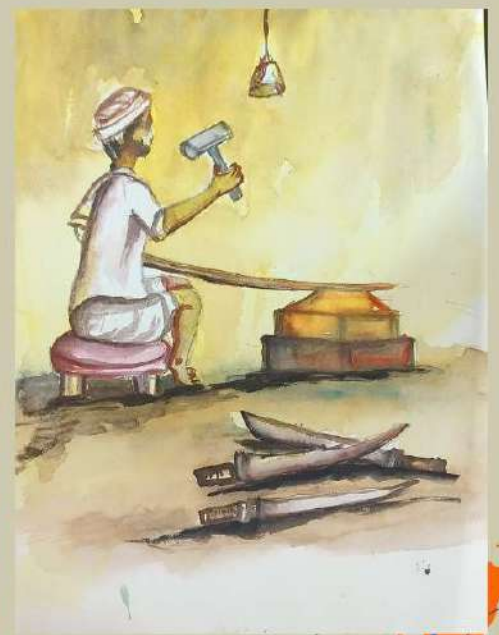
## अभिभावक शिक्षक बैठक / Parents & Teachers Meeting



# सी डी पी / CDP 2023-24

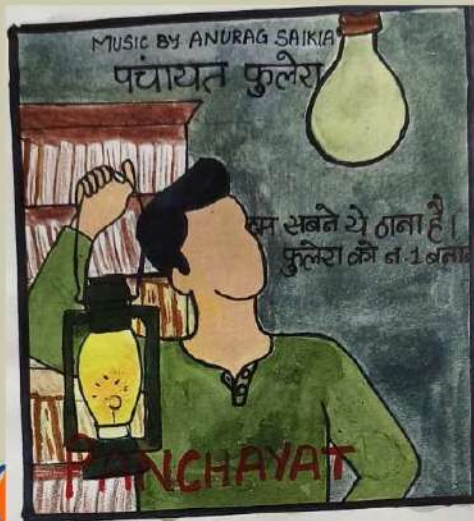
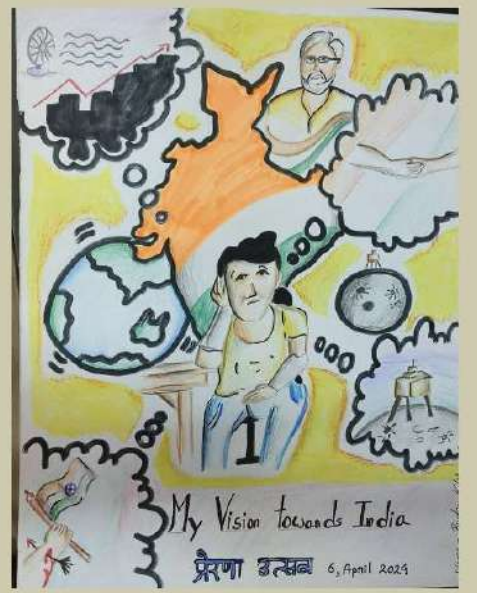
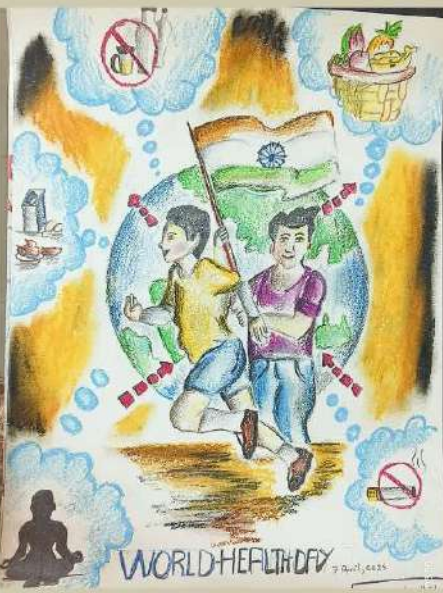


# STUDENTS' CANVAS CORNER



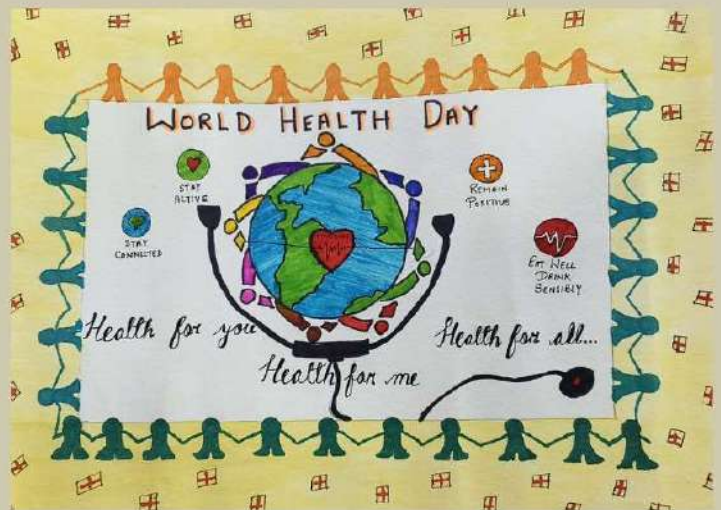
Name: Neha Sharma  
Date: -/ -/ -

# STUDENTS' CANVAS CORNER





# STUDENTS' CANVAS CORNER





क्र.	नाम	पदनाम	क्र.	नाम	पदनाम
1.	अशोक कुमार भूकल	प्राचार्य			
<b>स्नातकोत्तर शिक्षक</b>			<b>प्राथमिक शिक्षक</b>		
1.	श्रीमती पल्लबी चौधुरी	अर्थ-शास्त्र	1.	श्रीमती सुप्ता सूत्रधर	प्राथमिक शिक्षिका
2.	सुश्री प्रीति चौहान	हिंदी	2.	श्री अनूप कुमार सिंह	प्राथमिक शिक्षक
3.	श्री शिवेश श्रीवास्तव	गणित	3.	सुश्री नैना कामरा	प्राथमिक शिक्षिका
4.	श्री हेमंत मंडलोई	भौतिकी	4.	श्री विशाल शर्मा	प्राथमिक शिक्षक
5.	श्री भूपेंद्र यादव	जीव-विज्ञान	5.	श्री अभिषेक वर्मा	प्राथमिक शिक्षक
6.	श्री विजयराघवन ए जी	संगणक विज्ञान	6.	श्री दिव्यांशु कुमार	प्राथमिक शिक्षक
7.	श्रीमती रीतू यादव	अंग्रेजी	7.	सुश्री स्मृति शंकर	संगीत शिक्षिका
8.	श्रीमती मेघा भल्ला	पीजीटी रसायन			
9.	श्री अमित प्रजापति	पीजीटी वाणिज्य			
<b>प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक</b>			<b>गैर-शैक्षिक कर्मचारी</b>		
1	श्री हुक्मी चंद कुमावत	सामाजिक विज्ञान	1.	श्री रवि प्रकाश	वरिष्ठ सचि.सहायक
2.	सुश्री किरण देबनाथ	संस्कृत	2.	श्री राधा कृष्णा शर्मा	सब-स्टाफ
3.	श्री नौरैम मोमो	शा. शिक्षक	3.	श्री अजय सूत्रधर	सब-स्टाफ
4.	श्री दुर्गेश कुमार वर्मा	पुस्तकालयाध्यक्ष			
5	श्री अमरजीत कुमार	कला शिक्षक			
6	श्री दीपक कुमार	कार्य अनुभव शिक्षक			
7.	सुश्री दीपामाया छेत्री	टीजीटी अंग्रेजी			
8.	श्री अखिल शर्मा	कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर			



*"Exploring is an art! Children are experts in that. Hence, never stop them exploring. Let's rather encourage them."*

*Thank you!!!*

